पाठ १४

# यहोवा के साक्षी कैसे संगठित हैं

***यहोवा के साक्षियों की आधुनिक-दिन शुरूआत कब हुई? (१)***

***यहोवा के साक्षियों की सभाएँ कैसे संचालित की जाती हैं? (२)***

***ख़र्च किस तरह उठाया जाता है? (३)***

***हर कलीसिया में अगुवाई कौन लेता है? (४)***

***कौन-सी ज़्यादा बड़ी सभाएँ हर वर्ष आयोजित की जाती हैं? (५)***

***उनके मुख्यालय और शाखा दफ़्तरों में कौन-सा काम किया जाता है? (६)***

१. यहोवा के साक्षियों की आधुनिक-दिन शुरूआत १८७० के दशक में हुई थी। पहले-पहल, उन्हें बाइबल विद्यार्थी कहा जाता था। लेकिन १९३१ में उन्होंने यहोवा के साक्षी इस शास्त्रीय नाम को अपनाया। (यशायाह ४३:१०) छोटी शुरूआत से यह संगठन बढ़कर अब लाखों साक्षियों का हो गया है, जो २३० से ज़्यादा देशों में प्रचार करने में व्यस्त हैं।

२. यहोवा के साक्षियों की अधिकांश कलीसियाओं में हर सप्ताह तीन बार सभाएँ होती हैं। आपको इनमें से किसी में भी उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। (इब्रानियों १०:२४, २५) जो सिखाया जाता है उसका आधार बाइबल होती है। सभाओं को प्रार्थना से शुरू और समाप्त किया जाता है। अधिकांश सभाओं में हार्दिक "आत्मिक गीत" भी गाए जाते हैं। (इफिसियों ५:१८, १९) प्रवेश निःशुल्क है, और कोई चंदा नहीं लिया जाता।—मत्ती १०:८.

३. अधिकांश कलीसियाएँ राज्यगृह में सभाएँ आयोजित करती हैं। ये सामान्यतः साक्षी स्वयंसेवकों द्वारा बनायी गयी साधारण इमारतें होती हैं। आप राज्यगृह में कोई भी मूर्तियाँ, क्रूस-मूर्तियाँ या इनके जैसी वस्तुएँ नहीं देखेंगे। स्वैच्छिक दान से ख़र्च का भुगतान किया जाता है। जो दान करना चाहते हैं उनके लिए अंशदान बक्स होता है।—२ कुरिन्थियों ९:७.

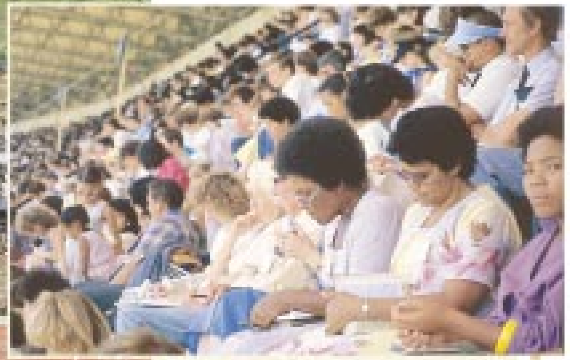

४. प्रत्येक कलीसिया में प्राचीन या ओवरसियर होते हैं। वे कलीसिया में सिखाने में अगुवाई लेते हैं। (१ तीमुथियुस ३:१-७; ५:१७) उन्हें सहायक सेवकों की मदद प्राप्त होती है। (१ तीमुथियुस ३:८-१०, १२, १३) इन व्यक्तियों को बाक़ी कलीसिया से ऊपर नहीं उठाया जाता। (२ कुरिन्थियों १:२४) उन्हें विशेष उपाधियाँ नहीं दी जातीं। (मत्ती २३:८-१०) वे दूसरों से भिन्न पहनावा नहीं पहनते। ना ही उन्हें उनके काम के लिए पैसा दिया जाता है। ये प्राचीन स्वेच्छा से कलीसिया की आध्यात्मिक ज़रूरतों को पूरा करते हैं। वे कठिनाई के समय में सांत्वना और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।—याकूब ५:१४-१६; १ पतरस ५:२, ३.

५. यहोवा के साक्षी हर वर्ष बड़े सम्मेलन या अधिवेशन भी आयोजित करते हैं। ऐसे अवसरों पर अनेक कलीसियाएँ बाइबल के उपदेश के विशेष कार्यक्रम के लिए इकट्ठी होती हैं। नए शिष्यों का बपतिस्मा प्रत्येक सम्मेलन या अधिवेशन कार्यक्रम का एक नियमित भाग होता है।—मत्ती ३:१३-१७; २८:१९, २०.
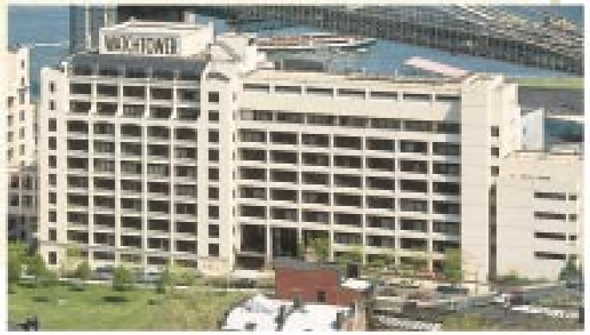
६. यहोवा के साक्षियों का विश्व मुख्यालय न्यू यॉर्क में है। वहाँ शासी निकाय स्थित है, जो विश्वव्यापी कलीसिया की देखरेख करनेवाले अनुभवी प्राचीनों का एक प्रधान समूह है। संसार-भर में १०० से अधिक शाखा दफ़्तर भी हैं। इन स्थानों पर, स्वयंसेवी बाइबल साहित्य छापने और प्रेषण करने में मदद करते हैं। प्रचार कार्य की व्यवस्था के लिए भी निर्देशन दिया जाता है। क्यों न अपने सबसे क़रीबी शाखा दफ़्तर में एक भेंट करने की योजना बनाएँ?